अखिल भारतीय न्यायिक सेवा

भूमिका :- सरकार संघ परीक्षा के जरिए अधीनस्थ अदालतों में अधिकारियों की भर्ती के लिए अखिल भारतीय न्यायिक सेवा गठित करने से जुड़े एक विधेयक को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में है।

परीक्षा उपयोगी बिन्दु :-

- अखिल भारतीय परीक्षा में सफल होने वालों को उच्च न्यायालय और राज्य सरकारों द्वारा नियुक्त किया जाएगा। मसौदा केंद्रीय मंत्रिमंडल में भेजने से पहले प्रस्तावित अखिल भारतीय सेवा की विभिन्न विशेषताओं को उच्च न्यायपालिका के साथ साझा किया जाएगा।
- भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय पुलिस सेवा की तर्ज पर अखिल भारतीय न्यायिक सेवा के प्रावधान पर आजादी के तुरंत बाद विचार किया गया था।
- अखिल भारतीय न्यायिक सेवा का प्रावधान 1976 में संविधान के अनुच्छेद 312 में 42 वें संशोधन के माध्यम से शामिल किया गया था। लेकिन इसके व्यापक पहलुओं पर निर्णय लेने के लिए एक विधेयक की आवश्यकता होगी।
- अभी, विभिन्न उच्च न्यायालय और राज्य सेवा आयोग न्यायिक अधिकारियों की भर्ती के लिए परीक्षाएं आयोजित करते हैं। 25 उच्च न्यायालयों में से अधिकतर के निचली न्यायपालिका पर प्रशासनिक नियंत्रण बनाए रखना चाहते हैं।
- प्रस्तावित कानून उन्हें अधीनस्थ अदालतों के न्यायाधीशों को नियुक्त करने की अनुमति दे सकता है। निचली अदालतों में मामलों में दलीलें स्थानीय भाषाओं में दी जाती हैं। इसलिए ऐसी आशंकाएं हैं कि उत्तर भारत का कोई व्यक्ति दक्षिणी राज्य में कैसे सुनवाई कर सकता है।
- लेकिन सरकार का मानना है कि आईएएस और आईपीएस अधिकारी भी भाषा अवरोध को पार करते हुए विभिन्न राज्यों में अपनी सेवाएं देते हैं।

विश्व भूख दिवस

भूमिका :- प्रतिवर्ष 28 मई को विश्व भूख दिवस के रूप में मनाया जाता है। विश्व भूख दिवस 'हंगर प्रोजेक्ट' की एक पहल है।

परीक्षा उपयोगी बिन्दु :-

- संयुक्त राष्ट्र का उद्देश्य कृषि उत्पादकता को बढ़ाना है। इससे 820 मिलियन लोगों को भोजन उपलब्ध करवाया जाएगा जो अपर्याप्त खाद्य सुरक्षा का सामना कर रहे हैं।
- संयुक्त राष्ट्र का अनुमान है कि 2050 तक 2 बिलियन लोग गरीबी के दायरे में आयेंगे और उन्हें भोजन की कमी का सामना करना पड़ता है।
- भूखमरी को खत्म करने के लिए "जीरो हंगर" का सतत विकास लक्ष्य शामिल किया गया था।
- 2019-20 में भारत ने 281.95 मिलियन टन अनाज का उत्पादन किया। अभी भी भारत में 5 वर्ष से कम आयु के 69% बच्चों की मृत्यु कुपोषण के कारण होती है। यह डाटा स्टेट ऑफ वर्ल्ड चिल्ड्रन रिपोर्ट द्वारा प्रदान किया गया था।
- ग्लोबल हंगर इंडेक्स में भारत 102 वें स्थान पर है।
- विश्व बैंक के अनुसार भारत का मानव पूंजी सूचकांक 0.44 है। इसका मतलब यह है कि एक भारतीय बच्चा अपनी क्षमता के केवल 44% तक बढ़ता है।
- लगभग 56% भारतीय बच्चों (6 महीने से 23 महीने की उम्र) की सब्जियों की खपत शून्य थी।

स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर की जन्म वर्षगांठ

भूमिका :- हाल ही में 28 मई को स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर सावरकर की जन्म वर्षगांठ के रूप में मनाया गया। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने विनायक दामोदर सावरकर को श्रद्धांजली अर्पित की और कहा कि देश सदैव विनायक दामोदर सातकर के बलिदान को याद रखेगा।

परीक्षा उपयोगी बिन्दु :-

- विनायक दामोदर सातरकर को वीर सातरकर के नाम से जाना जाता था, इनका जन्म 28 मई, 1883 को महाराष्ट्र के नासिक में हुआ था।
- वे एक स्वतंत्रता सेनानी थे, उन्होंने 1857 की क्रांति को स्वतंत्रता का प्रथम युद्ध कहा था।

- उन्होंने पुणे में अभिनव भारत सोसाइटी नामक संगठन की थी लन्दन में उन्होंने फ्री इंडिया सोसाइटी का गठन किया।
- विनायक दामोदर सावरकर ने "जोसफ मैजिनी - जीवन कथा व राजनीति" नामक पुस्तक लिखी। उन्होंने 1857 की क्रांति पर "द इंडियन वॉर ऑफ़ इंडिपेंडेंस" नामक पुस्तक का प्रकाशन किया था। इसके अलावा उन्होंने रत्नगिरि में कैद के दौरान "हिंदुत्व - हु इस हिन्दू" नामक पुस्तक भी लिखी।
- हालांकि वे हिन्दू महासभा के संस्थापक नहीं थे, परन्तु वे 1937 से 1943 के बीच हिन्दू महासभा के अध्यक्ष रहे।
- वीर सावरकर ने भारत को 'हिन्दू राष्ट्र' के रूप में एक निर्मित किये जाने का समर्थन किया, उन्होंने राष्ट्रवादी राजनीतिक विचारधारा 'हिंदुत्व' के विकास किया।
- उनके सम्मान में अंडमान व निकोबार के पोर्ट ब्लेयर के एयरपोर्ट का नाम वीर सावरकर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट रखा गया है।

FAITH परीक्षण

भूमिका :- COVID-19 की उपचार रणनीति के तहत 'ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड' FAITH परीक्षण से संबंधित अध्ययन शुरू करेगा।

परीक्षा उपयोगी बिन्दु :-

- यह एक नया संयोजन नैदानिक परीक्षण है जिसे FAITH (FAvipiravir + Umifenovir Trial in Indian Hospital - FAITH) कहा जाता है।
- संभावित COVID-19 उपचार रणनीति के रूप में इस परीक्षण में दो एंटीवायरल दवाओं (फेविपिरावि एवं उमिफेनोविर की संयुक्त प्रभावकारिता का परीक्षण करने के लिये नया यादृच्छिक, ओपन-लेबल अध्ययन शामिल है।
- इन दोनों एंटीवायरल ड्रग्स / दवाओं के कार्य करने के अलग-अलग तंत्र है और इनका संयोजन, रोग के प्रारंभिक चरण के दौरान रोगियों के उच्च वायरल की स्थिति के दौरान प्रभावी ढंग से निपटने में बेहतर उपचार प्रभावकारिता प्रदर्शित कर सकता है।

• BY:- Pankaj Bodiya.